भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. *274

जिसका उत्तर 07.08.2025 को दिया जाना है

प्रमुख राज्य राजमार्गों का राष्ट्रीय राजमार्गों में उन्नयन

*274. श्री मड्डीला गुरूमूर्ति:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को ऐसे कई अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं जिनमें तिरुपति लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में प्रमुख राज्य राजमार्गों (एसएच) - श्रीकलाहस्ती-ताडा, गुडूर-रापुरु-राजमपेटा और उतुकोट्टई-ताडा को राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) में उन्नत करने का अनुरोध किया गया है;

(ख) यदि हाँ, तो कराए गए व्यवहार्यता अध्ययन, प्रदत्त स्वीकृतियों और उनके लिए किए गए बजटीय आवंटन सहित इन प्रस्तावों की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) क्या सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्ग-716 पर करकंबाडी और शार सर्कल (राष्ट्रीय राजमार्ग-16, सुल्लुरुपेटा) में फ्लाईओवर के निर्माण की माँग पर कोई कार्रवाई की है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) क्या अब इसके कार्यान्वयन के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित करने का विचार है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (घ) विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

'प्रमुख राज्य राजमार्गों का राष्ट्रीय राजमार्गों में उन्नयन' के संबंध में श्री मड्डीला गुरूमूर्ति द्वारा पूछे गए दिनांक 07.08.2025 के लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 274 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) और (ख) सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को समय-समय पर आंध्र प्रदेश राज्य सहित विभिन्न राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों से राज्य की सड़कों को राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) घोषित/उन्नयन करने के प्रस्ताव प्राप्त होते हैं। सरकार संपर्कता (कनेक्टिविटी), पारस्परिक प्राथमिकता, यातायात के स्तर की आवश्यकताओं और पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) के साथ तालमेल के आधार पर कुछ राज्यीय सड़कों को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने पर विचार करती है।

(ग) और (घ) एनएच-716 के चिन्नाओरामपाडु से रेनीगुंटा खंड को चार लेन का बनाने की परियोजना के अंतर्गत करकंबाडी रेलवे लेवल क्रॉसिंग के पास किलोमीटर 118.057 पर एक हल्के वाहन अंडरपास (एलवीयूपी) और कट्टापुत्तलम्मा मंदिर के पास किलोमीटर 118.885 पर एक वाहन अंडरपास (वीयूपी) का प्रावधान किया गया है। परियोजना का का कार्य सौंप दिया गया है और दिनांक 28.01.2025 को रियायत करार पर हस्ताक्षर किए गए थे। रियायतग्राही वर्तमान में वित्तीय समापन प्राप्त करने की प्रक्रिया में है, जो परियोजना के शुरू होने से पहले की शर्तों का हिस्सा है। परियोजना का कार्यान्वयन हाइब्रिड एन्यूटी मोड (एचएएम) के तहत किया जा रहा है, जिसकी रखरखाव अवधि 15 वर्ष है और इसे शुरू होने की तारीख से दो वर्षों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य है।

शार सर्कल (एनएच-16, सुल्लुरुपेटा) के संबंध में, एनएच-16 के ताडा से नेल्लोर खंड को चार लेन का बनाने के लिए रियायत करार के प्रावधानों के अनुसार, किमी.81.050 पर एक रोटरी जंक्शन और किमी.80.970 पर एक पैदल यात्री अंडरपास पहले ही विकसित किया जा चुका है।

*****